एक्ट में दिया शेक्सपीयर से लेकर टैगोर का संदेश

• कबीर गान में स्टूडेंट्स की ओर से भरतनाट्यम, कथक और सूफी का अद्भुत समागम देखने को मिला। यह बहुत ही भव्य प्रस्तुति थी।

EVENT @ TSVS

सिटी रिपोर्टर • असहिष्णुता, अन्याय, भेदभाव और कुरीतियों के विरुद्ध लोगों को सोचने पर मजबूर कर दें, ऐसी परफॉर्मेंस द संस्कार वैली स्कूल के स्टूडेंट्स ने फाउंडर्स कल्चरल ईवनिंग के जरिए दीं। वर्तमान माहौल को देखते हुए स्टूडेंट्स की प्रस्तुतियां सारगर्भित थीं। हल्की ठंडक के बीच मुक्ताकाश मंच से स्टूडेंट्स ने कार्यक्रम की शुरुआत वोकल और इंस्ट्रूमेंट से की। 'बिस्मिल्लाह...तेरे नाम से शुरू हुआ, तेरे नाम पर खत्म लिल्लाह...', गीत के साथ ही राजस्थानी लोकगीत और सूफी पंजाबी गीत की प्रस्तुतियां शानदार रहीं। दूसरी प्रस्तुति विलियम शेक्सपीयर के नाटक 'द मर्चेंट ऑफ वेनिस' की रही। इसके जरिए ईसाई और ज्यूस के बीच रहे मतभेद और भेदभाव को दर्शाया गया।

'मोहे कहां ढूंढ़े रे बंदे मैं तो तेरे पास में...', कबीर के इस गीत के साथ रंगारंग नृत्य प्रस्तुति की शुरूआत हुई। वहीं क्लासिकल डांस फॉर्म में जब स्टूडेंट्स ने भरतनाट्यम, कथक और सूफी नृत्य पेश किया, तो दर्शक तालियां बजाए बिन न रह सके। स्टूडेंट्स के कॉस्ट्यूम और ज्वेलरी नृत्य को खास बनाने में अहम रहे।

कार्यक्रम का समापन कंटेम्पोरी डांस से हुआ। कार्यक्रम में स्कूल प्रिंसिपल डॉ.अमलान के साहा ने स्कूल रिपोर्ट और भविष्य के प्रोजेक्ट के बारे में पेरेंट्स को विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर स्कूल की डायरेक्टर ज्योति अग्रवाल सहित स्कूल फैकल्टी भी मौजूद रही।

• प्रोग्राम की तस्वीरें स्मार्टफोन से लेते पेरेंट्स।

• कंटेम्पोरी डांस की प्रस्तुति देते स्टूडेंट्स।

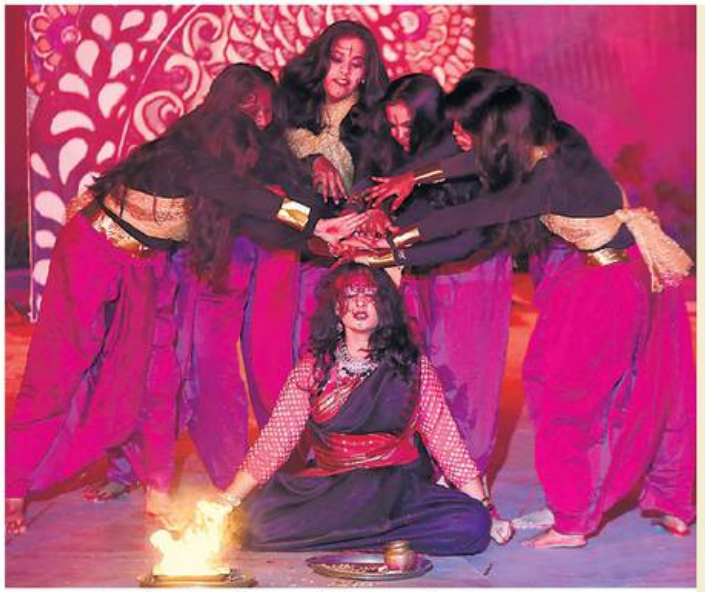

• नाटक चंडालिका में स्टूडेंट्स की एक्टिंग देखने लायक रही।

कर्म से महान बनने की कहानी चंडालिका

गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर लिखित नाटक 'चंडालिका' की प्रस्तुति बेहद रोचक रही। शक्ति और शिव बने स्टूडेंट्स नाटक के सूत्रधार रहे। नाटक भगवान बुद्ध के प्रिय शिष्य आनंद और चंडालिका (अछूत कन्या) प्रकृति के बीच की कहानी थी, जिसके जरिए यह बताने की कोशिश की गई कि व्यक्ति अपने जन्म से नहीं, बल्कि कर्म से महान बनता है। नाटक में बौद्ध भिक्षु आनंद संदेश देते हैं कि एक ही ईश्वर की सभी संतान हैं, इसलिए हम सभी को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। ऐसा न करके हम ईश्वर की कृति का अपमान करते हैं।